भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2982

दिनांक 12 मार्च, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान

2982. श्री राजा अमरेश्वर नाईक:

श्रीमती शर्मिष्ठा सेठी:
डॉ. जयंत कुमार राय:
श्री भोला सिंह:
डॉ. सुकान्त मजूमदार:
श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:
श्री निशीथ प्रामाणिक:
श्री राजवीर सिंह (राजू भैय्या):
श्री विनोद कुमार सोनकर:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का देश में नेशनल इंस्टिट्यूशन फॉर वन हेल्थ (एनआईओएच) और 4 क्षेत्रीय राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थानों की स्थापना का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का देश में 602 जिलों और 12 केंद्रीय संस्थानों में महत्वपूर्ण देखभाल अस्पताल ब्लॉक स्थापित करने का प्रस्ताव है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का देश में 15 स्वास्थ्य आपातकालीन ऑपरेशन केंद्र और दो चालित अस्पताल स्थापित करने का प्रस्ताव है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या अन्य कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) और (ख): जी हां। प्रस्तावित प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना (पीएम- एएसबीवाई) स्कीम के तहत नागपुर मे एक स्वास्थ्य केंद्र और उत्तर पूर्वी अंचल, उत्तरी अंचल, दक्षिणी अंचल तथा केंद्रीय अंचल में 4 आंचलिक वायरोलॉजी संस्थानों की स्थापना करने का प्रस्ताव है।

(ग) से (छ): वित्त वर्ष 2021-22 के बजट भाषण में 1 फरवरी, 2021 को 6 वर्षों में (वित्तीय वर्ष 2025-26 तक) लगभग 64,180 करोड़ रूपए के परिव्यय से आत्मनर्भर स्वस्थ भारत योजना (पीएमएएसबीवाई) स्कीम की घोषणा की गई है।

प्रस्तावित प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना (पीएम-एएसबीवाई) स्कीम के निम्नलिखित मुख्य क्रियाकलापों को वित्तीय वर्ष 2025-26 तक पूरा किया जाना है:

1. 10 उच्च फोकस वाले राज्यों में 17, 788 ग्रामीण स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के लिए सहायता;।
2. सभी राज्यों में 11,024 शहरी स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों को स्थापित करना;।
3. 11 उच्च फोकस वाले राज्यों में सभी जिलों में तथा 3382 ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाइयों में एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशालांए स्थापित करना;।
4. 602 जिलों तथा 12 केंद्रीय संस्थानों में गंभीर परिचर्या अस्पताल ब्लॉक स्थापित करना;।
5. राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), इसकी 5 क्षेत्रीय शाखाओं तथा 20 मेट्रोपोलिटन स्वास्थ्य निगरानी इकाइयों का सुदृढ़ीकरण;
6. सभी जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं से संपर्क करने के लिए एकीकृत स्वास्थ्य सूचना पोर्टल का सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में विस्तार;
7. प्रवेश स्थलों पर 17 नई जन स्वास्थ्य इकाइयों का परिचालनीकरण और 33 मौजूदा जन स्वास्थ्य इकाइयों का सुदृढ़ीकरण जो 32 हवाइअड्डों, 11 समुद्री पत्तनों पर तथा 7 भू सीमाओं पर स्थित है;
8. 15 स्वास्थ्य आपातकालीन ऑपरेशन केंद्र तथा 2 मोबाइल अस्पताल स्थापित करना; तथा
9. एक स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय संस्थान, डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए एक क्षेत्रीय अनुसंधान प्लेटफार्म, 9 जैव- सुरक्षा स्तर III प्रयोगशालाओं तथा 4 क्षेत्रीय राष्ट्रीय वायरोलॉजी संस्थानों की स्थापना करना।

   स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमताएं विकसित करने और सभी स्तरों अर्थात् प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्तरों पर निरंतर परिचर्या संस्थानों पर ध्यान देते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के तहत स्वास्थ्य सैक्टर के लिए उपाय करना तथा वर्तमान और भावी महामारियों/ आपदाओं पर प्रभावी रूप से प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई करने के लिए स्वास्थ्य प्रणालिया तैयार करना।